Regarding Peace Accord in the North East

श्री दिलीप शइकीया (दारंग-उदालगुड़ी) : माननीय सभापति जी, यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है । भारत सरकार ने पूर्वोत्तर में स्थायी शांति बहाल करने के लिए और पूर्वोत्तर में विकास प्रक्रिया को गति देने के लिए अभी तक 12 से भी ज्यादा उग्रवादी संगठनों से पीस अकॉर्ड किया है । इसमें एनएलएफटी-2019, ब्लू एग्रीमेंट-2020, बोडो अकॉर्ड -2020, कार्बी अकॉर्ड ? 2021, आदिवासी पीस अकॉर्ड ? 2022, अल्फा प्रो टॉक्स ? 2023, फ्रेमवर्क अगेंस्ट एग्रीमेंट विद एनएससीएन(आईएम), सीज़फायर एग्रीमेंट विद एनएससीएन(एनके) एंड एनएससीएन(आर) हैं ।

मैं सदन को जानकारी देना चाहता हूं कि पिछले दस सालों में हमारे यहां 76 परसेंट इनसरजेंसी इंसीडेंस में रिडक्शन हुआ है, 90 परसेंट सिक्योरिटी फोर्सज कैजुअल्टी में रिडक्शन हुआ है और 97 परसेंट सिविलियन्स केजुअलटीज़ कम हुई हैं । अभी तक 3571 सरेंडर कई संगठनों के हो चुके हैं । मैं इसके लिए भारत सरकार को तहे दिल से धन्यवाद देता हूं ।

मेरा सरकार से एक ही मेरा निवेदन है कि सभी उग्रवादी संगठनों के साथ जो भी पीस अकॉर्ड्स हुए थे, एग्रीमेंट्स हुए थे, लैटर एंड स्पिरिट अकॉर्ड्स का सौ परसेंट एग्जीक्यूशन करे ।